राज्यद सभा

अतारांकित प्रश्ना सं. 2360

18 मार्च, 2015 को उत्त0र के लिए

घाटे में चल रहे इस्पात संयंत्र

2360. श्री बसावाराज पाटिल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हमारे देश में कितने इस्पात उद्योग, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम उद्योग और उनकी उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ख) विगत तीन वर्षों से कितने इस्पात संयंत्र घाटे में चल रहे हैं और उन्हें कितनी हानि हुई है;

(ग) इन उद्योगों में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या कितनी है; और

(घ) मंत्रालय द्वारा इन कमियों को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तघर

इस्पादत और खान राज्य् मंत्री श्री विष्णुी देव साय

(क) :सार्वजनिक क्षेत्र में 09 इस्पा त संयंत्र और निजी क्षेत्र में 1321 इस्पांत संयंत्र मौजूद हैं। सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के इस्पावत संयंत्रों की उत्पातदन क्षमता नीचे दी गई है:

(आकंडे हजार टन में)

क्षेत्र	क्षमता
सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पा त संयंत्र	15929
निजी क्षेत्र के इस्पाइत संयंत्र	85092

(ख) और (ग): सरकार घाटे पर चल रहे इस्पाषत संयंत्रों और इस्पा2त उद्योग में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या् का कोई रिकार्ड नहीं रखती है। तथापि, कोई भी पीएसयू घाटे पर नहीं चल रहा है और सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पाकत संयंत्रों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्याप नीचे दी गई है:

पीएसयूज का नाम	01.03.2015 के अनुसार कर्मचारियों की संख्याे
स्टीचल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	93851
राष्ट्री□य इस्पा त निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	18111

(घ) : इस्पापत एक नियंत्रणमुक्त(क्षेत्र होने के नाते सरकार की भूमिका एक सुविधादाता मात्र तक सीमित है।

***